मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 26, मुंबई, शुक्रवार, 5 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाशिवरात्री पर
SPECIAL DISCOUNT
फराली पेटिस - ₹ ~~16/-~~ ₹ 12/-
फलहारी चिवड़ा - ₹ ~~440/-~~ ₹ 320/-
रसगुल्ला - ₹ ~~14/-~~ ₹ 11/-
आलू चिप्स - ₹ ~~380/-~~ ₹ 240/-
लस्सी - ₹ ~~39/-~~ ₹ 35/-
Valid on: 10 & 11 March 2021
Tel: 2889 9501 / 98208 99501
MM MITHAIWALA | MALAD (W)

बंगाल में 'शेरनी' ममता दीदी के साथ आए उद्धव

चुनाव नहीं लड़ेगी... SHIVSENA

पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे जी के साथ चर्चा के बाद लिया गया यह फैसला: संजय राउत

संवाददाता

कोलकाता। राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी के बाद शिवेसना ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को गुरुवार को अपना समर्थन दिया और कहा कि वह पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। ममता बनर्जी को 'बंगाल की असली शेरनी' बताते हुए शिवसेना ने तृणमूल कांग्रेस से एकजुटता दिखाने का संकल्प लिया। पार्टी ने पूर्व में कहा था कि वह राज्य में चुनावी मुकाबले में उतरेगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

टीएमसी को समर्थन का ऐलान

पश्चिम बंगाल में अगले महीने हैं विधानसभा चुनाव

'मीडिया, मसल और मनी का प्रयोग हो रहा ममता के खिलाफ'

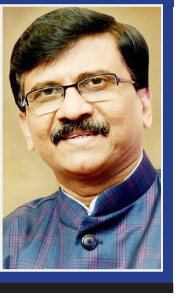

संजय राउत ने लिखा, 'पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से चर्चा के बाद अपडेट है....आज के परिदृश्य को देखते हुए साफ है कि पश्चिम बंगाल में दीदा बनाम सभी की लड़ाई है। सभी 'एम' मनी, मसल और मीडिया को 'एम' ममता दीदी के खिलाफ प्रयोग किया जा रहा है। इसलिए शिवसेना ने फैसला लिया है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव नहीं लड़ेंगे।'

तापसी पन्नू और अनुराग कश्यप मामले में

बड़ा खुलासा

इनकम टैक्स को मिले 350 करोड़ हेराफेरी के सबूत

संवाददाता / नई दिल्ली। अभिनेत्री तापसी पन्नू और फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप पर इनकम टैक्स विभाग ने छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद जहां एक ओर सियासत गरमाई हुई है, इसी बीच आयकर विभाग का बयान भी सामने आ गया है। सीबीडीटी ने लगभग 300 करोड़ की हेराफरी का पता लगाया है। इनकम टैक्स विभाग 28 अलग-अलग स्थानों पर जांच कर रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हिमाचल प्रदेश के होटल से महाराष्ट्र में हो रही थी ड्रग्स की तस्करी

एटीएस ने सरगना को किया अरेस्ट

मुंबई। होटल ठहरने के लिए होते हैं लेकिन रूमी ठाकुर नामक आरोपी अपने होटल से ड्रग्स की सप्लाई करता था। महाराष्ट्र एटीएस ने उसे कुल्लू जिले से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने उसे 9 मार्च तक एटीएस की कस्टडी में भेज दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शालीनता के साथ

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि सरकार से अलग विचार रखना देशद्रोह नहीं है। अदालत ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ दायर याचिका को न केवल खारिज कर दिया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। याचिका में मांग की गई थी कि अनुच्छेद 370 को लेकर अब्दुल्ला ने जो टिप्पणी की है, वह देशद्रोह है, इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौर करने की बात है, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की पीठ ने इस याचिका को सुनवाई लायक भी नहीं माना। अदालत का इशारा दोटूक है कि देशद्रोह एक बहुत संगीन आरोप है, जिसे बहुत सोच-समझकर ही किसी पर लगाना चाहिए। अपने देश में ज्यादातर देशद्रोह के मामले पुलिस स्वयं दर्ज कर लेती है, पर फारूक अब्दुल्ला के मामले में ऐसी जरूरत महसूस नहीं की गई थी, फिर भी याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च अदालत का सहारा लिया और उसे उचित ही हार नसीब हुई। जिस देश में करोड़ों मामले अदालतों में लंबित हैं, वहां किसी अदालत के समय को ऐसे बर्बाद करने की गुस्ताखी से पहले देश के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए। किसी भी सभ्य देश के नागरिक समाज को ही नहीं, बल्कि सरकारों को भी विपरीत विचार या विरोध के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की खूबसूरती बढ़ती है। यह देश आपातकाल के दौर को बार-बार याद करता है, क्योंकि तब भी अभिव्यक्ति का अनादर हुआ था। तत्कालीन सरकार ने विरोधियों के खिलाफ बहुत कड़ी कार्रवाई की थी। आज अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आपातकाल के बारे में पूछे गए सवाल पर कहते हैं कि वाकई, वह एक गलती थी, जो हुआ था, गलत हुआ था, तो इसके निहितार्थ गहरे हैं। अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने आपातकाल को लेकर यदि सवाल पूछा, तो कोई अचरज नहीं। उस दौर में सरकार ने जैसी असहिष्णुता का परिचय दिया था, उसके लिए उसके उत्तराधिकारियों को आज भी घेरा जाता है। तत्कालीन सरकार की अनुदारता को देश आज 43-44 साल बाद भी नहीं भूल पा रहा है, तो यह देश की तमाम सरकारों के लिए सबक है। सत्ता में बहुत ताकत होती है, मनमानी या बहुमत से कड़े से कड़ा फैसला संभव हो जाता है, लेकिन आम लोग ऐसी सत्ताओं के बारे में क्या सोचते हैं, यह ज्यादा महत्वपूर्ण और जानने योग्य है। यदि आपातकाल न होता, तो इंदिरा गांधी और कांग्रेस का दामन आज कितना चमकदार होता, इस पर हर पार्टी को विचार करना ही चाहिए। सूचना माध्यमों के जोर पर देश में अभिव्यक्तियां बहुत मुखर और आक्रामक होने लगी हैं। हमारी सरकारों को बहुत सोच-समझकर देश को आगे ले जाना चाहिए। विशेष रूप से बड़े नेताओं को अपनी टिप्पणियों के प्रति ज्यादा सावधान हो जाना चाहिए। अपने आवेश और भावनाओं को नियंत्रण में रखकर की गई शालीन अभिव्यक्ति आज समाज व देश की सेवा से कम नहीं है। जो लोग छोटी-छोटी बातों पर भी उग्रता दशार्ने लगे हैं, उनका मार्गदर्शन करना जरूरी हो गया है। किस हद तक विरोध संभव है और कहां से देशद्रोह शुरू होता है, इसके बारे में लोगों को शिक्षित करने की कोशिशें लगातार होनी चाहिए। देश में सबको अभिव्यक्ति की आजादी हासिल है, पर उसकी सार्थकता तभी है, जब समाज व देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी पूरा एहसास हो।

सांप्रदायिक पार्टियों से दूर रहे कांग्रेस

कांग्रेस ऐतिहासिक गलती कर रही है। आजादी की लड़ाई के दौरान कांग्रेस ने देश के सभी वर्गों को आंदोलन के साथ जोड़ने के हजार तरह के उपाय किए लेकिन कभी सांप्रदायिक ताकतों का साथ नहीं लिया था। दूसरे-तीसरे दशक में महात्मा गांधी ने एक बार जरूर खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया पर उससे पहले और बाद में भी कांग्रेस मोटे तौर पर सांप्रदायिक सोच और सांप्रदायिक पार्टियों से हमेशा दूर ही रही। ऐसा नहीं है कि उस समय धर्म व जाति की राजनीति करने वाली पार्टियां नहीं थीं। हिंदू महासभा एक मजबूत ताकत थी तो 1925 में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का भी गठन हो गया था। मुस्लिम लीग का उभार भी आजादी की लड़ाई के समानांतर रहा पर कांग्रेस मुस्लिम लीग से वैसे ही लड़ी, जैसे अंग्रेजों से लड़ी। इसके कुछ अपवाद हो सकते हैं। जैसे पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने हिंदू महासभा के अध्यक्ष रहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपनी सरकार में मंत्री बनाया या राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ को गणतंत्र दिवस की परेड में आमंत्रित किया। पर इससे ज्यादा कांग्रेस ने कभी सांप्रदायिक ताकतों को तरजीह नहीं दी।

लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि लोकप्रिय वोट की राजनीति में कांग्रेस अपने इस बुनियादी सिद्धांत से दूर जा रही है। भाजपा का मुकाबला करने के लिए भाजपा जैसी बन रही है। ध्यान रहे आजादी की लड़ाई के दौरान कांग्रेस ने कभी भी हिंदू महासभा या मुस्लिम लीग की तरह बनने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस की अपनी समावेशी राजनीति थी, जिसमें कम्युनिस्ट भी शामिल थे, सोशलिस्ट भी शामिल थे तो पूंजीवाद की खुली वकालत करने वाले भी शामिल थे। नरम हिंदुत्व के विचार वाले लोग भी कांग्रेस में थे और कट्टरपंथी हिंदू विचार के लोग भी कांग्रेस में शामिल थे। आजादी के बाद भी लंबे समय तक कांग्रेस ने अपना यह चरित्र बनाए रखा। तभी कांग्रेस में दूसरी किसी भी पार्टी के मुकाबले वैचारिक मतभेद सबसे ज्यादा रहे और आजादी के तुरंत बाद समाजवादी नेताओं के टूट कर कांग्रेस से अलग होने के बाद कांग्रेस टूटने की जो प्रक्रिया शुरू हुई तो वह आज तक जारी है। कांग्रेस न कभी एक विचार वाली पार्टी रही है और न कभी काडर आधारित पार्टी रही है। हां, व्यक्ति पूजा जरूर महात्मा गांधी के समय ही शुरू हो गई थी पर उस समय भी वैचारिक भिन्नता पार्टी की एक खास पहचान थी। यह तथ्य है कि तमाम वैचारिक भिन्नता के बावजूद

कांग्रेस सांप्रदायिकता से दूर थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने महात्मा गांधी को हिंदुओं का सबसे बड़ा नेता कहा था। लेकिन हकीकत यह है कि खुद को सेकुलर मानने वाले जिन्ना ने धर्म के आधार पर देश का विभाजन कराया और हिंदू धर्म में अगाध आस्था रखने वाले गांधी ने जीवन भर धर्मनिरपेक्ष राजनीति की। अब कांग्रेस ने चुनावी राजनीति के लिए अपने इस चरित्र को दांव पर लगाया है। उसने इसके लिए एक अजीब सा तर्क गढ़ लिया है कि भाजपा को रोकने की मजबूरी में ऐसा किया जा रहा है। यह कोई मजबूत या सैद्धांतिक तर्क नहीं है। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की नई बनी पार्टी इंडियन सेकुलर फ्रंट यानी आईएसएफ के साथ जो तालमेल किया है वह भाजपा को रोकने के लिए नहीं है, बल्कि ममता बनर्जी को रोकने के लिए है। कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा ने इस पर सवाल उठाया तो कांग्रेस के नेता उनके ऊपर भाजपा से मिले होने का आरोप लगाने लगे। उनकी बात का जवाब देने या उस पर आत्मचिंतन करने की बजाय कांग्रेस नेता उन्हें पार्टी विरोधी बता रहे हैं। संभव है कि उन्होंने अभी यह बयान एक एजेंडे के तहत दिया हो। वे पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं और अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए यह बयान दिया है। उनका यह बयान सेलेक्टिव माना जाएगा क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र में शिव सेना के साथ तालमेल करने पर सवाल नहीं उठाया था और न असम में बदरूद्दीन अजमल की पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी एआईयूडीएफ के साथ तालमेल पर सवाल उठाया। जिस तरह से आईएसएफ के नेता पीरजादा अब्बास सिद्दीकी सांप्रदायिक सोच वाले नेता हैं उसी तरह से बदरूद्दीन अजमल और उद्धव ठाकरे भी सांप्रदायिक राजनीति करते हैं। केरल और तमिलनाडु में कांग्रेस ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ तालमेल किया हुआ है। यह वैसी सांप्रदायिक पार्टी नहीं है, जैसी असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएम है। फिर भी कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय और धर्मनिरपेक्ष राजनीति करने वाली पार्टियों को इनके साथ क्यों तालमेल करना चाहिए? जो पार्टियां मुस्लिम मतदाताओं की राजनीति करती हैं या हिंदू मतदाताओं की राजनीति करती हैं या उससे आगे अलग अलग जातियों की राजनीति करती हैं, उन पार्टियों के साथ तालमेल करके कांग्रेस अपने को राजनीतिक रूप से भी कमजोर कर रही है और वैचारिक रूप से भी। कांग्रेस अगर अपने वैचारिक धरातल पर मजबूती से खड़ी रहती है तो देर-सबेर उसकी राजनीतिक वापसी भी होगी। लेकिन अगर उसने इसे गंवा दिया तो फिर वह धीरे धीरे धर्म और जाति की राजनीति करने वाली पार्टियों जैसी या उनकी पिछलग्गू हो जाएगी।

उनके जैसा होना कांग्रेस के लिए बहुत नुकसानदेह होगा क्योंकि वह इस राजनीति में उन पार्टियों को नहीं परास्त कर सकती है। उलटे जिन सांप्रदायिक या जातीय पार्टियों के साथ कांग्रेस का तालमेल होगा वे कांग्रेस का बुनियादी वोट हथिया लेंगी। अनेक उदाहरणों से यह बात प्रमाणित है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों में पार्टी ने इसी तरह से अपना नुकसान किया है। चुनाव जीतने के लिए एलायंस की राजनीति मजबूरी हो सकती है पर इतिहास गवाह है की मजबूरी की इस राजनीति ने कांग्रेस का हमेशा नुकसान किया है। जहां उसने तालमेल नहीं किया वहां क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत नहीं हुईं और कांग्रेस के लिए जगह बची रही। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस 15 साल सत्ता से बाहर रही है पर उसने वापसी की क्योंकि वहां कोई सांप्रदायिक या जातीय राजनीति करने वाली मजबूत पार्टी नहीं पनपी। कांग्रेस ने अपनी जमीन पकड़े रखी तो उसने वापसी की। जहां कांग्रेस ने अपनी जमीन छोड़ दी वहां वापसी मुश्किल हो गई है। अब्बास सिद्दीकी की पार्टी आईएसएफ के साथ तालमेल को कांग्रेस इस तर्क से न्यायसंगत नहीं ठहरा सकती है कि गठबंधन का नेतृत्व सीपीएम के हाथ में है और तालमेल उसने किया है। सीपीएम को अपना बंगाल का गढ़ वापस हासिल करना है तो उसके लिए वे कुछ भी करेगी। लेकिन कांग्रेस को इस राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। 2014 के लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद बनी एके एंटनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि लोगों की नजर में कांग्रेस एक सीमा से ज्यादा मुस्लिमपरस्त पार्टी दिखने लगी थी, जिसका उसे नुकसान हुआ है।

कांग्रेसः मरता, क्या नहीं करता?

कांग्रेस पार्टी आजकल वैचारिक अधःपतन की मिसाल बनती जा रही है। नेहरू की जिस कांग्रेस ने पंथ-निरपेक्षता का झंडा देश में फहराया था, उसी कांग्रेस के हाथ में आज डंडा तो पंथ-निरपेक्षता का है लेकिन उस पर झंडा सांप्रदायिकता का लहरा रहा है। सांप्रदायिकता भी कैसी? हर प्रकार की। उल्टी भी, सीधी भी। जिससे भी वोट खिंच सकें, उसी तरह की। भाजपा भाई-भाई पार्टी बन गई है, वैसे ही कांग्रेस भी भाई-बहन पार्टी बन गई है। भाई-बहन को लगा कि भाजपा देश में इसलिए दनदना रही है कि वह हिंदू सांप्रदायिकता को हवा दे रही है तो उन्होंने भी हिंदू मंदिरों, तीर्थों, पवित्र नदियों और साधु-संन्यासियों के आश्रमों के चक्कर लगाने शुरू कर दिए लेकिन उसका भी जब कोई ठोस असर नहीं दिखा तो अब उन्होंने बंगाल, असम और केरल की मुस्लिम

पार्टियां से हाथ मिलाना शुरू कर दिया। बंगाल में अब्बास सिद्दिकी के 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट', असम में बदरूद्दीन अजमल के 'आल इंडिया यूनाइटेड फ्रंट' और केरल में 'वेलफेयर पार्टी' से कांग्रेस ने गठबंधन किसलिए किया है, इसीलिए कि जहां इन पार्टियों के उम्मीदवार न हों, वहां मुस्लिम वोट कांग्रेस को सेंत-मेंत में मिल जाएं। क्या इन वोटों से कांग्रेस चुनाव जीत सकती है ? नहीं, बिल्कुल नहीं। लेकिन फिर ऐसे सिद्धांतविरोधी समझौते कांग्रेस ने क्यों किए हैं? इसीलिए की इन सभी राज्यों में उसका जनाधार खिसक चुका है। अतः जो भी वोट, वह जैसे भी कबाड़ सके, वही गनीमत है। इन पार्टियों के साथ हुए कांग्रेसी गठबंधन को मैंने ठग-बंधन का नाम दिया है, क्योंकि ऐसा करके कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को तो ठग ही रही है, वह इन मुस्लिम वोटरों को भी ठगने का काम कर रही है। कांग्रेस को वोट देकर इन प्रदेशों के मुस्लिम मतदाता सत्ता से काफी दूर छिटक जाएंगे। कांग्रेस की हार सुनिश्चित है। यदि ये ही मुस्लिम मतदाता अन्य गैर-भाजपा पार्टियां के साथ टिके रहते तो या तो वे किसी सत्तारुढ़ पार्टी के साथ होते या उसी प्रदेश की प्रभावशाली विरोधी पार्टी का संरक्षण उन्हें मिलता। कांग्रेस के इस पैंतरे का विरोध आनंद शर्मा जैसे वरिष्ठ नेता ने दो-टूक शब्दों में किया है। कांग्रेस यों तो अखिल भारतीय पार्टी है लेकिन उसकी नीतियों में अखिल भारतीयता कहां है?

कोविड अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार बनाएगी एसओपी, औरंगाबाद की घटना से लिया सबक

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कोविड सेंटरों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में मौजूद सभी कोरोना सेंटरों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आगामी 31 मार्च तक एसओपी तैयार कर लागू किया जाएगा। इस एसओपी का पालन करना राज्य के सभी कोविड सेंटरों के लिए अनिवार्य होगा। सरकार ने महाराष्ट्र सरकार ने कोविड सेंटर में महिलाओं के साथ लगातार बढ़ रहे यौन उत्पीड़न के मामलों को गंभीरता से लेते हुए यह कड़ा कदम उठाया है। आपको बता दें कि औरंगाबाद के कोविड अस्पताल में

एक कोरोना पीड़ित महिला के साथ डॉक्टर ने छेड़खानी करने का प्रयास किया था। डॉक्टर महिला को डिस्चार्ज देने के बदले में शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव दे रहा था। पीड़ित महिला की शिकायत पर अस्पताल प्रशासन ने आरोपी डॉक्टर को निलंबित कर दिया है और मामले की जांच की जा रही है। आज यह मुद्दा महाराष्ट्र की विधानसभा में भी उठाया गया। इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बोलते हुए कहा कि यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पीड़िता का नाम गुप्त रखा जाएगा।

क्या है मामला: जानकारी के मुताबिक यह घटना 2 दिन पहले की है। जब नाइट ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर ने अस्पताल में राउंड-अप के समय एक महिला के साथ छेड़खानी करने का प्रयास किया। डॉक्टर की इस हरकत पर महिला ने जमकर हंगामा किया और अपना विरोध जताया। इस मामले की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने के बाद डॉक्टर और इस पूरे मामले की छानबीन शुरू है।

पूरी तरह स्वदेशी होगी मुंबई की मोनो रेल

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया मुहिम रंग ला रही है। मोनो और मेट्रो रेल के इतिहास में पहली बार रेक के निर्माण के लिए जारी टेंडर में केवल भारतीय कंपनियों ने ही आवेदन किया है। देश में मोनो रेल के निर्माण के लिए तीन देशी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल), टीटागढ़ वैगन्स लिमि. और मेधा सर्वो ड्राइव्स प्रा. लि. ऐंड एसएमएच, मलएशिया शामिल है। मोनो रेल के 10 रेक के निर्माण के लिए मुंबई महानगर

प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने टेंडर जारी किया था। 2 फरवरी को यह टेंडर खोला गया। एमएमआरडीए के मुताबिक, एक महीने में टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। आगामी 18 महीने में विभाग को पहली मोनो रेक की सप्लाई होगी। टेंडर आवंटित होने के 24 महीने में सभी रेक की सप्लाई कंपनी करेगी। मोनो रेक के निर्माण के लिए एमएमआरडीए करीब 550 करोड़ रुपये खर्च करने वाला है। बता दें कि रेक कम होने के कारण यात्रियों को स्टेशन पर दूसरी ट्रेन के लिए करीब 20 मिनट का इंतजार करना पड़ता है। मोनो के बेड़े में 10 नए रेक के शामिल होने से यात्रियों के स्टेशन पर इंतजार की अवधि कम हो जाएगी।

अब विदेशी निर्भरता नहीं: चेंबूर से संत गाडगे महाराज चौक (सात रास्ता) के बीच करीब 20 किमी की दूरी में मोनो रेल का संचालन होता है। कुछ महीने पहले तक मोनो रेक के लिए एमएमआरडीए पूरी तरह से विदेशी कंपनियों पर निर्भर था। विश्व की कुछ कंपनियों के मोनो के निर्माण करने के कारण कई बार टेंडर जारी करने के बाद भी विभाग को अच्छा प्रतिसाद नहीं मिल पा रहा था। पिछले साल टेंडर प्रक्रिया में केवल चीन की कंपनियों के शामिल होने पर प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। इसके बाद देश में मोनो रेक के निर्माण का निर्णय लिया गया।

जल्द दिया जाएगा टेंडर: नई टेंडर प्रक्रिया में केवल भारतीय कंपनियों के शामिल होने से देश में मोनो रेक के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, देश में मोनो और मेट्रो ट्रेन के इतिहास में पहली बार रेक निर्माण की टेंडर प्रक्रिया में केवल भारतीय कंपनियों ने भाग लिया है। टेंडर भरने वाली तीनों कंपनी देश की बड़ी और नामी कंपनी हैं। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

उद्धव ठाकरे का बीजेपी पर हमला, बोले- हमें हिंदुत्व का पाठ ना पढ़ाएं, सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दिया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व से लेकर दिल्ली सीमा पर जारी किसानों आंदोलन जैसे विभिन्न मुद्दों को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की आलोचना की। ठाकरे ने विधानसभा में कहा कि केंद्र सरकार ने हिंदुत्व के विचारक विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न का सम्मान क्यों नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी पूर्व सहयोगी शिवसेना को हिंदुत्व का पाठ नहीं पढ़ाना चाहिए। बीजेपी ने शिवसेना पर निशाना साधते हुए कई बार कहा है कि पार्टी ने कांग्रेस

और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ गठबंधन करने के बाद हिंदुत्व की विचारधारा को 'त्याग' दिया है। औरंगाबाद का नाम बदलने में देरी पर भी विपक्षी दल ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा है। ठाकरे ने कहा, 'सावरकर को भारत रत्न देने की मांग के लिए (केंद्र को) दो बार चिट्ठी भेजी गई। भारत रत्न कौन देता है? प्रधानमंत्री और एक कमिटी के पास इसका अधिकार है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'आप सावरकर को भारत रत्न नहीं देते और हमें शहर का नाम बदलने पर पाठ पढ़ा रहे हैं।'

'प्रदर्शन स्थल पर लगा दिए कंटीले तार'

मुख्यमंत्री ने कहा, सीमा पर जो तारबंदी करनी चाहिए वह किसानों और दिल्ली के बीच खड़ी कर दी गई। अगर (सीमा पर) ऐसी व्यवस्था की जाती तो चीन घुसपैठ नहीं करता। उन्होंने कहा कि दिल्ली सीमाओं के पास किसानों के प्रदर्शन स्थल के रास्ते में कंटीले तार लगा दिए गए, बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रदर्शन कर रहे किसान आतंकवादी हैं। ठाकरे ने कहा कि देश बीजेपी की 'निजी जागीर' नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को महाराष्ट्र से विदर्भ को अलग करने की सोचना भी छोड़ देना चाहिए। ठाकरे ने कहा, हम विदर्भ को महाराष्ट्र से अलग नहीं होने देंगे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बंगाल में 'शेरनी' ममता दीदी के साथ आए उद्धव

शिवसेना के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने एक ट्वीट कर इसकी घोषणा की और कहा कि पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा के बाद यह फैसला किया गया। राउत ने कहा कि इस वक्त दीदी बनाम अन्य सभी का मुकाबला प्रतीत हो रहा है। राउत ने कहा कि बहुत लोग यह जानना चाहते थे कि शिवसेना पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ेगी या नहीं? पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे जी के साथ चर्चा के बाद यह फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी के खिलाफ धन-बल, मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा। इसलिए शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ने और उनके साथ खड़ा रहने का फैसला किया है। हम ममता दीदी की जबरदस्त सफलता की कामना करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि वह बंगाल की असली शेरनी हैं।

तापसी पन्नू और अनुराग कश्यप मामले में बड़ा खुलासा

इनकम टैक्स के मुताबिक हेरफेर से संबंधित साक्ष्य, प्रोडक्शन हाउस के शेयर लेन-देन का कम मूल्यांकन सहित लगभग 350 करोड़ का घालमेल अब तक सामने आ चुका है। आगे की जांच की जा रही है। तापसी पन्नू के पास से 5 करोड़ रुपये की नकद कैश के साक्ष्य बरामद किए गए हैं। इसके अलावा अनुराग कश्यप की जांच में इनकम टैक्स को 20 करोड़ रुपये के फर्जी व्यय भी पाया गया है। ऐसी ही बरामदी तापसी पन्नू के पास भी बरामद हुई है। अभिनेत्री तापसी पन्नू और निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप पर इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अबू आसिम आजमी ने इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा है कि अब देश में लोकशाही खत्म होती जा रही है और तानाशाही आती जा रही है। अब राजा और नवाबों की हकूमत चल रही है। राजा साहब की शान में अगर किसी ने कुछ बोल दिया तो उसे जेल भेज दिया जाता है। एसपी नेता अबू आसिम आजमी ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने हमें हक दिया है कि समाज का सबसे गरीब आदमी और सबसे अमीर आदमी बराबर हैं और उसे समाज दर्जा दिया गया है और वो किसी के खिलाफ भी कानून के दायरे में रहकर कुछ भी बोल सकता है।

हिमाचल प्रदेश के होटल से महाराष्ट्र में हो रही थी ड्रग्स की तस्करी

कुछ पखवाड़े पहले पुणे जीआरपी ने एक ट्रैवल फर्म से जुड़े ललित कुमार शर्मा को ड्राइवर कौल सिंह के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 34 किलो से ज्यादा हशीश मिली थी। दोनों आरोपियों से पूछताछ में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई थीं कि यह केस एटीएस को ट्रांसफर कर दिया गया था। उन जानकारियों के आधार पर ही महाराष्ट्र एटीएस की अलग-अलग टीमें हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से सर्च ऑपरेशन कर रही थीं। उसी में रूमी ठाकुर की गिरफ्तारी हुई। जांच में पता चला कि उसका कुल्लू जिले में होटल है। उस होटल की आड़ में वह ड्रग्स का कारोबार कर रहा था। जांच में यह भी पता चला कि ललितकुमार शर्मा नामक आरोपी कुल्लू मनाली से रूमी ठाकुर व कुछ अन्य बड़े ड्रग माफियाओं से ड्रग्स लेता था और फिर करियर बनकर ड्राइवर कौल सिंह के साथ देश के अलग-अलग शहरों, राज्यों झमसलन महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक तक उसे पहुंचाता था। उसी केस में विवेक कुमार सिंह और सूरज शेलार नामक आरोपी भी गिरफ्तार हुए थे। जांच में पता चला कि इन दोनों ने ड्रग्स ललितकुमार शर्मा से ली थी। सभी आरोपियों से पूछताछ में पता चला था कि ड्रग माफिया अपने लोगों के जरिए अन्य ड्रग्स के साथ मनाला क्रीम की सप्लाई सबसे ज्यादा करते थे। इस ड्रग्स की हाई प्रोफाइल सोसाइटी में डिमांड सबसे ज्यादा है। कुल्लू से गिरफ्तार रूमी ठाकुर मूल रूप से मनाली क्रीम का बड़ा सप्लायर है। एटीएस चीफ जयजीत सिंह और डीआईजी शिवदीप लांडे की टीम ने इस केस में कुछ और आरोपियों की भी शिनाख्त की है, जिनकी तलाश की जा रही है।

कोवैक्सीन 81% कारगर

भारत बायोटेक ने जारी किया तीसरे चरण का नतीजा

■ नई दिल्ली (संवाददाता)।

कोविड-19 का टीका वनाने वाली कंपनी भारत वायोटेक ने वुधवार को कहा कि उसका कोरोना वायरस रोधी टीका (कोवैक्सीन) तीसरे चरण के चिकित्सीय परीक्षण में अंतरिम रूप से 81 प्रतिशत प्रभावकारी दिखा है।

हैदरावाद की इस कंपनी ने एक वयान में कहा कि उसके तीसरी चरण के परीक्षण में 25,800 व्यक्ति शामिल हुए। भारत में इस तरह का यह अव तक का सवसे वड़ा परीक्षण है। इसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से सम्पन्न किया गया। भारत वायोटेक के चेयरमैन और प्रवंध निदेशक कृष्णा एल्ला ने कहा, कोरोना वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई और वैक्सिन की खोज में विज्ञान के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन है। तीसरे चरण के चिकित्सीय परीक्षण के आज के परिणाम के साथ हमने अपने कोविड-19 टीके के पहले, दूसरे और तीसरी परीक्षण के आंकड़ों को जारी कर दिया है। इन परीक्षणों में करीव 27,000 व्यक्ति शामिल हुए।

■ भारत में इस तरह का यह अब तक का सबसे बड़ा परीक्षण

उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय परीक्षण में कोवैक्सीन ने न केवल कोविड-19 के खिलाफ उच्च क्षमता का रुझान दिखाई है वल्कि यह कोरोना के तेजी से उभरते नए स्वरूपों के खिलाफ भी वेहतर प्रतिरोधन क्षमता विकसित करने सफल रही है। कोविड- 19 से वचाव के लिए कोवैक्सीन टीके को भारत वायोटेक ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर देश में ही विकसित किया है। देश में इन दिनों कोवैक्सीन के साथ साथ आक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के कोविशील्ड टीके को लोगों को लगाया जा रहा है।

नेजल वैक्सीन का ट्रायल जल्द

नई दिल्ली (संवाददाता)। जिन लोगों ने अभी तक कोरोना वैक्सीन नहीं ली है उनके लिए एक अच्छी खबर है। सुई के जरिए वैक्सीन लेने से अब छुटकारा मिल सकता है। जल्द ही नाक के जरिए ली जाने वाली (नेजल वैक्सीन) का ट्रायल शुरू होने जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन का भारत में ट्रायल अगले हफ्ते से शुरू हो सकता है। शुरुआती ट्रायल पटना, चेन्नई, नागपुर, हैदराबाद जैसे शहरों में हो सकता है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को दिल्ली स्थित आर्मी रिसर्च एंड रेफरल हॉस्पिटल में कोविड-19 टीके की पहली खुराक ली।

अब टीका किसी भी दिन, किसी भी समय

नई दिल्ली (संवाददाता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने वुधवार को वताया कि सरकार ने कोरोना वायरस से शीघ्र निपटने के मकसद से टीकाकरण की गति तेज करने के लिए कोविड-19 टीका लगवाने संवंधी समय की वाध्यता हटा दी है। अव लोग निजी अस्पताल में अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह के किसी भी दिन एवं किसी भी समय टीका लगवा सकते हैं। हर्षवर्धन ने ट्वीट किया, 'सरकार ने टीकाकरण की रफ्तार वढ़ाने के लिए समय की वाध्यता समाप्त कर दी है। देश के नागरिक अव अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह के किसी भी दिन और किसी भी समय टीका लगवा सकते हैं।

कोरोना वैक्सीनेशन पर केंद्र को नोटिस

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हमारे नागरिकों को वैक्सीन लगाने की बजाय सरकार इसे विदेशों में दान कर रही है

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने देश में कोरोना वैक्सीन का पूरी क्षमता से इस्तेमाल न करने पर नाखुशी जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि वैक्सीन कंपनियों के पास इसे बनाने और सप्लाई करने की क्षमता है। हम हर चीज पर पाबंदी लगाने की सोच के चलते इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि सरकार भारतीय नागरिकों को वैक्सीन लगाने की बजाय विदेशों को वैक्सीन दान कर रही है या इसकी बिक्री कर रही है। हाईकोर्ट ने ज्यूडिशयल सिस्टम में काम करने वाले लोगों को फ्रंटलाइन वर्कर माने जाने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। इस याचिका में जज, कोर्ट स्टाफ और वकीलों का वैक्सीनेशन कराने की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले में खुद ही संज्ञान लिया है। वहीं, केंद्र और दिल्ली सरकार समेत कोरोना वैक्सीन बना रहीं भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किए हैं।

कोर्ट ने चारों पक्षों से पूछे सवाल

- कोरोना वैक्सीन बना रहीं भारत बायोटेक (कोवैक्सिन) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (कोवीशील्ड) से एफिडेविट के जरिए वैक्सीन बनाने की कैपिसिटी बताने को कहा है।
- केंद्र सरकार से कहा है कि वह वैक्सीन के लिए ट्रांसपोर्ट कैपिसिटी की जानकारी दे। वैक्सीनेशन के लिए लोगों का क्राइटेरिया तय करने की वजह भी बताए।
- दिल्ली सरकार को कोर्ट परिसरों में मेडिकल फैसिलिटी का जायजा लेने और यह बताने के लिए कहा गया है कि क्या वहां वैक्सीनेशन सेंटर बनाए जा सकते हैं।
- सरकार ने वैक्सीनेशन के दूसरे फेज में 60 साल से ज्यादा उम्र वाले या 45 साल से ज्यादा उम्र वाले गंभीर बीमारी के मरीजों को टीका लगाने की इजाजत दी है। कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बार काउंसिल ऑफ दिल्ली से हलफनामा दायर कर यह बताने के लिए कहा है कि उनके कितने लोग मौजूदा नियम के दायरे में आएंगे और कितने लोग इससे बाहर रह जाएंगे।

बार काउंसिल की चिट्ठी को जनहित याचिका माना

बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के चेयरमैन ने बुधवार को एक लेटर लिखकर अदालती कामकाज से जुड़े लोगों को फ्रंटलाइन वर्कर मानने की मांग की थी। कोर्ट ने इसे जनहित याचिका मानकर इस पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा कि यह वक्त की जरूरत है कि महामारी के मद्देनजर आम लोगों का वैक्सीनेशन किया जाए। इससे उन सभी लोगों की जिंदगी और सेहत को बचाया जा सकेगा, जो काम के सिलसिले में घरों से बाहर निकलते हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी।

नाना पटोले ने सदन में पूछा...

'राममंदिर' के नाम पर टोल वसूलने का ठेका बीजेपी को मिला है क्या?

मुंबई। राम मंदिर के नाम पर एक बार फिर से महा विकास अघाड़ी सरकार और बीजेपी के नेता आमने-सामने हैं। राम मंदिर के नाम पर वसूले जा रहे हैं चंदे पर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने एतराज जताते हुए राज्य के विधानसभा में सवाल उठाया है। नाना पटोले पूछा है कि क्या बीजेपी ने राम मंदिर के नाम पर टोल वसूलने का ठेका लिया है? नाना पटोले श्रीराम ने इस बात की इजाजत बीजेपी को दी है?

चंदा नहीं तो धर्म से बाहर करने की धमकी

नाना पटोले ने कहा कि मेरे पास आज मनोहर कुलकर्णी नाम के एक व्यक्ति आए थे। जिन्होंने कहा कि कुछ लोग मेरे घर पर राम मंदिर के नाम पर चंदा मांगने के लिए आए थे। जब मैंने उनसे यह पूछा कि 30 साल पहले जो चंदा दिया था उसका क्या हुआ? और वह पैसे कहां गए? इस पर वह नाराज होने लगे और उन्होंने कहा कि यदि तुम चंदा नहीं दोगे तो तुम्हें धर्म से बेदखल कर दिया जाएगा। जिस पर मैंने पूछा कि क्या आप को हिंदू धर्म का ठेकेदार बनाया गया है? इसी मुद्दे को आज नाना पटोले ने विधानसभा में उठाया है।

कौन सी चैरिटेबल संस्था को मिली मंजूरी

नाना पटोले विधानसभा में सवाल उठाते हुए यह पूछा कि आखिर ऐसी कौन सी चैरिटेबल संस्था है? जिसे महाराष्ट्र में राम मंदिर के नाम पर चंदा वसूलने की जिम्मेदारी दी गई है। क्या महाराष्ट्र सरकार की तरफ से ऐसी कोई परमिशन दी गई है? उन्होंने कहा कि चंदा वसूलने के लिए भी चैरिटेबल संस्था का होना जरूरी है।

ताज महल में बम होने की सूचना गलत

सर्च ऑपरेशन पूरा, फोन पर बम की खबर देने वाला फिरोजाबाद से हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। ताज महल में बम की खबर फर्जी निकली। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन के बाद यह जानकारी दी और ताज परिसर को पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया। पुलिस का कहना है कि बम रखने की धमकी देने वाले की पहचान हो गई है। उसे फिरोजाबाद में हिरासत में ले लिया गया है। ताज महल में बम होने की खबर मिलने के बाद पुलिस ने पर्यटकों को बाहर निकालकर ताज महल के दोनों दरवाजे बंद करवा दिए थे। आगरा पुलिस की बम डिस्पोजल टीम ने पूरे परिसर की चेकिंग की। इसमें कोई विस्फोटक नहीं मिला। पुलिस ने बताया, बम रखने की सूचना किसी देने वाले ने 112 नंबर पर कॉल किया था। उसने कहा कि सैनिक भर्तियों में गड़बड़ियां हो रही हैं। इसकी वजह से उसकी भर्ती नहीं हो पाई। उसने ताज महल में बम रख दिया है। कुछ देर में फट जाएगा।

पहले भी मिल चुकी हैं ऐसी सूचनाएं: ताज महल परिसर में रोज करीब 5,000 पर्यटक आते हैं। यहां विस्फोटक रखने की फर्जी सूचनाएं पहले भी मिलती रही हैं। 2008 में भी ऐसा ही हुआ था। तब एक व्यक्ति ने धमकी भरा फोन किया था। पता चला कि फोन दक्षिण भारत से किया गया था। बाद में पुलिस ने आरोपी को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि पुलिस को परेशान करने के लिए ऐसा किया था।

'कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट पर पीएम मोदी की तस्वीर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन'

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट और विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के विज्ञापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। इस संदर्भ में पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को चुनाव अधिकारियों से मुलाकात की और इनसे पीएम की तस्वीर को हटाने की मांग की। मुलाकात के बाद ममता सरकार में मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहा कि पीएम मोदी विधानसभा चुनाव में भाजपा के स्टार प्रचारक हैं। राजनीतिज्ञ होने के नाते रैलियों में वह अपनी पार्टी के लिए लोगों से समर्थन मांगेंगे। ऐसी स्थिति में वैक्सीन सर्टिफिकेट और पेट्रोल पंपों में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का प्रचार करते पोस्टरों में पीएम मोदी की तस्वीर मतदाताओं को लुभाएगी और यह आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने सर्टिफिकेट व पेट्रोल पंपों पर लगी उनकी तस्वीरों को हटाने की मांग की है। एक दिन पहले ही तृणमूल के राज्यसभा सांसद डेरेक ओब्रायन ने आरोप लगाया था कि चुनाव तिथियों के एलान के बाद भी कोविड-19 वैक्सीन सर्टिफिकेट में पीएम मोदी की तस्वीर इस्तेमाल की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

कोरोना बीमारी के चलते बुलढाणा न.पा.की स्वच्छता अभियान युद्ध स्तर पर

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। कोरोना महामारी की दुसरी लहर के चलते बुलडाणा शहर सहित जिले भर मे कोरोना की संख्या बड रही है। ईसी को ध्यान मे रखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने शहर की स्वच्छता का मिशन बनाकर दिन-रात स्वच्छता में जुटी हुई है और विशेष तौर से नगर पालिका के मुख्य अधिकारी महेश वाघमोड़े न.पा के नगर अध्यक्षा नजमुन्निसा इनके पति मोहम्मद सज्जाद के मार्गदर्शन में सभी नगरसेवक को साथ लेकर शहर के हर वार्ड हर महोल्ले की समस्याओं को हल करते हुए नागरिकों कि विशेष समस्यां जैसे कोरोना वायरस के चलते शहर के हर वार्ड मे डोर टु डोर समय पर कचरा गाडी आरही है। साथ ही रास्तों की साफ-सफाई और खास तौर सफाई कामगार नालियों की साफ सफाई करते नजर आ रहे हैं। नगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग केकर्मचारी हर रोज शहर के अलग-अलग वार्ड का जायजा लेकर इस बीमारी के चलते नगर पालिका की रोज होने वाली मीटिंग में स्वच्छता के संबंधित चर्चा कर रहे हैं। और शहर में कुछ स्वच्छता की कमी ना रहे इसलिए नगर पालिका प्रशासन स्वच्छता पर हर दिन मेहनत ले रहे है, इसी स्वच्छता को देखते हुए शहर के नागरिक भी नगर प्रशासन से खुश नजर आ रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि से नगर पालिका के मुख्य अधिकारी और नगर अध्यक्ष पति मोहम्मद सज्जाद ने कोरोनावायरस से बचाव के लिए सावधानियां बताते हुए कहां के इस बीमारी से डरने की नहीं बल्कि लड़ने की जरूरत है इस बीमारी के साथ में रोजमर्रा की जिंदगी गुजारने की जरूरत है। घर से बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग करना चाहिए कुछ चीजों को छूने से पहले या बाद में अपने हाथों को सैनिटाइजर या साबुन से धोना चाहिए और साथ ही भीड़ में जाने से बचे दुकान में खरीदते वक्त फिजिकल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखना चाहिए इन सभी उपाय योजना पर ध्यान रखकर एक बीमारी से बचा जा सकता है.ऐसी अपील उन्होने नागरिकों से की है।

पानी की समस्या हुई दूर, 6 इंच की पाइप लाइन निकालकर लगाई गयी10 इंची पाइप लाइन

मलकापुर शहर के प्रभाग क्रमांक 6 के हाशमी नगर मिल्लत नगर के पीलू तकिया से 6 इंची पाइप लाइन के जरिए पानी दिया जाता था पानी का प्रेशर कम होने की वजह से लोगों को पानी की काफी समस्या हो रही थी। देखते हुए नगर अध्यक्ष अॅड हरीश रावड इनके नेतृत्व में डॉ. सलीम कुरैशी की मेहनत और कोशिश से नगर पालिका द्वरा 6 इंच की पाइप लाइन निकालकर 10 इंची पाइप लाइन डाली गई जिससे सभी लोगों को अच्छे प्रेशर के साथ पानी मिलने लगा जिस से स्थानीय नागरिक उत्साहित नजर आ रहे है। नगर सेवक सलीम कुरशी को नागरिकं ने दुआए दी।

राजस्थान हलचल

मात्र 1 रू में आठवां सामुहिक विवाह सम्मेलन 29 मई 2021 को

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

जोधपुर। मारवाड शेख सैयद मूगल पठान जिला विकास सिमिति के जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित प्रघान कार्यालय गुलजार पूरा मे समपन हुई जिसमे सामुहिक विवाह समेलन को लेकर चर्चा हुई जिसमे सामुहिक विवाह समेलन अध्यक्ष सिकन्दर खान ने बताया की बढती महंगाई को देखते हूए व फिजूलखर्ची को रोकने व तरह तरह के शादी में आयोजनो पर होने वाले फिजूलखर्ची को देखते हूए कमेटी ने निर्णय

लिया जिसमे की 29 मई 2021 को कोम शेख सैयद मूगल पठान समाज का आठवा सामुहिक विवाह समेलन मात्र 1 रू मे समेलन अध्यक्ष सिकन्दर खान की देखरेख मे जोधपुर मे आयोजित किया जायेगा यह कोम का आठवा सामुहिक विवाह समेलन होगा जो की सिर्फ मात्र 1 रू मे ही होगा यह समेलन राजस्थान लेवल पर किया जायेगा। इस बैठक में हाजी हमीम बक्ष नियामत पठान ईमदाद अली ईशतियाक अली राजू उस्ताद अ. वहीद सिकन्दर खान रमजान अली पप्पू नदिम बक्ष फिरोज खान अ अजीज पठान अकबर जेके अनवर हुसेन रिजवान खान मो शफी मो रईस अशरफ खान राजू मेहबूब मो शकिल शोएब खान अमजद बक्ष व सभी पद अघिकारी व सदस्य बेठक मे शामिल थे।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर जिलाधिकारी कल्याणपुर ब्लॉक पहुंचें और चल रहे योजनाओं का जांच किया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में 12 बजे मध्यान से 3 बजे अपराहन तक समस्तीपुर अनुमंडल कार्यालय के कल्याणपुर प्रखंड स्थित मनरेगा भवन में मुख्यमंत्री नल जल योजना (पंचायत एवं पीएचडी), नाली गली योजना सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, आपूर्ति, लोक शिकायत निवारण, लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम कोविड 19, हर खेत तक सिंचाई का पानी कार्यक्रम पंचायत निर्वाचन 2021 की तैयारी एवं अंचल संबंधी कार्यों की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिलाआपूर्ति पदाधिकारी, निदेशक लेखा एवं प्रशासन, अनुमंडल पदाधिकारी समस्तीपुर, भूमि सुधार उप समाहर्ता समस्तीपुर, स्थापना उप समाहर्ता, अनुमंडल स्थित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी अंचलाधिकारी सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निम्नांकित बिंदुओं पर समीक्षात्मक बैठक की गई। जिलाधिकारी द्वारा सबसे पहले आरटीपीएस केंद्र का भ्रमण किया गया, जांचोपरांत पाया गया कि काउंटर पर सूचना पट्ट नहीं था जिसे की दीवार लेखन कर प्रदर्शित करवाने का आदेश अंचल अधिकारी कल्याणपुर को दिया। आवेदन की एंट्री ससमय करने का निर्देश

जिला पदाधिकारी ने दिया। अनुमंडल पदाधिकारी समस्तीपुर को निर्देश दिया गया कि अबतक जितना भी आवेदन प्राप्त हुआ है आरटीपीएस काउंटर पर सभी का ऑनलाइन एंट्री करवाकर रिसीविंग लोगों को उपलब्ध वीडियो कराए। साथ ही सभी अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को भी निर्देश दिया गया कि आरटीपीएस काउंटर पर दीवार लेखन के माध्यम से संबंधित सूचना प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निम्नलिखित बिंदुओं पर समीक्षात्मक बैठक की गई। मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण गली नाली पक्की करण निश्चय योजना, सामाजिक सुरक्षा कोषांग की योजनाा, आपूर्ति, उर्वरक पीएचइडी एवं पीडीएस की जांच तथा कैसबुक की जांच की।

एकता भदौरिया ने प्रिंसेस भिड़ का खिताब हासिल किया

एकता भदौरिया पुत्री जितेंद्र सिंह भदौरिया, भिंड ने मुझे पहली बार राइजिंग स्टे स्टार साहित्य कला एवं मानव उत्थान समिति द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला जिसमें उसने अपनी काबिलियत को परख सकी और इस मॉडलिंग की प्रतियोगिता को जीतकर प्रिंसेस ऑफ भिण्ड का खिताब हासिल कर सकी। मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हू नीरज जैन सर का जिन्होंने मुझे सही मार्गदर्शन प्रदान कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैं अपने परिवार जनों एवं अपने मित्रों के सहयोग का भी धन्यवाद करती हूं। मैं एक सामान्य परिवार से हूं। मेरे पिताजी एक सामान्य व्यापारी एवं मेरी मां एक कुशल ग्रहणी है। मेरा पूरा परिवार मुझे हमेशा से ही सहयोग करता आया है। मुझे बचपन से ही एक्टिंग एवं मॉडलिंग में अधिक रुचि रही है। अभी मैं 17 साल की हू एवं 12वीं कक्षा में पढ़ती हू। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपनी इस कला को भी आगे बढ़ते हुए देखना चाहती हू। मैं भविष्य में एक सफल अभिनेत्री एवं मॉडल बनकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती हु।

दिया शर्मा ने प्रॉसेस ऑफ ग्वालियर का खिताब हासिल किया

दिया शर्मा पुत्री संतोष शर्मा ग्वालियर (म०प्र०) मुझे पहली बार राइजिंग स्टे स्टार साहित्य कला एवं मानव उत्थान समिति द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला जिससे मैं अपनी काबिलियत को परख सकी और इस मॉडलिंग की प्रतियोगिता को जीतकर प्रिंसेस ऑफ ग्वालियर का खिताब हासिल कर सकी। मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हुं नीरज जैन सर का जिन्होंने मुझे सही मार्गदर्शन प्रदान कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैं अपने परिवार जनों एवं अपने मित्रों के सहयोग का भी धन्यवाद करती हू। मैं एक सामान्य परिवार से हू।मेरे पिताजी एक सामान्य व्यापारी एवं मेरी मां एक कुशल ग्रहणी है।मेरा पूरा परिवार मुझे हमेशा से ही सहयोग करता आया है।मुझे बचपन से ही एक्टिंग एवं मॉडलिंग में अधिक रुचि रही है। अभी मैं 17 साल की हू एवं 10वीं कक्षा में पढ़ती हू। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपनी इस कला को भी आगे बढ़ते हुए देखना चाहती हू। मैं भविष्य में एक सफल अभिनेत्री एवं मॉडल बनकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती हु।

अभिनेत्री बनकर माता पिता तथा नगर का नाम रोशन करना चाहती हूः नंदनी जोशी

नंदनी जोशी पुत्री हरेकृष्ण जोशी, जिला-भिंड, मुझे राइजिंग स्टे स्टार शो मैं भाग लेकर बहुत खुशी महसूस हुई। सबसे पहले हमारे डायरेक्टर नीरज जैन सर जी का तहे दिल से धन्यवाद करती हू कि उन्होंने मुझे पहला प्राइज देकर मुझे इसके काबिल समझा, मुझे अच्छा मार्गदर्शन दिया। मैंने और भी कई प्रतियोगितायो मैं पहला प्राइज जीता है और मुझे खुशी है कि एक बार फिर मैं खुदको साबित कर पाई। मैं अपने माता -पिता और मित्रों का भी धन्यवाद करती हू जिन्होंने मेरा साथ दिया। मुझे बचपन से ही डांसिंग, एक्टिंग, मॉडलिंग का बहुत शौक रहा है। मैं अभी 15 साल की हु एवं 11वी कक्षा मैं पड़ती हु।मैं पढ़ाई के साथ -साथ अपनी कलायों को आगे बढते देखना चाहती हूँ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरे पर पिंपल्स और दाग-धब्बे दोनों होंगे कम अगर फॉलो करेंगे ये टिप्स

सबसे ज्यादा स्किन से जुड़ी परेशानियां मानसून में ही होती हैं। इस दौरान हवा में फैली नमी की वजह से त्वचा को खास केयर की जरुरत ही होती है। जैसे सोप-फ्री क्लींजर से चेहरे को दिन में दो-तीन बार साफ करना, जिससे त्वचा से जरूरी ऑयल निकले बिना यह साफ और स्वस्थ रहे।यहां जानिए ऐसे ही खास टिप्स, जिन्हें मानसून में जरूर फॉलो करें।

➤➤➤त्वचा पर जमी डेड सेल्स से निजात पाने के लिए इसकी गहराई से सफाई बेहद जरूरी है। माइक्रोडर्मेब्रेजन या माइल्ड केमिकल पील जैसे ट्रीटमेंट से त्वचा को किसी प्रकार का संक्रमण होने की संभावना कम होती है।

➤➤➤ कम मेकअप करें, जिससे आपकी त्वचा के पोर्स सांस ले सकें। होंठों की कोमलता बरकरार रखने के लिए लिप बाम लगाएं।

➤➤➤ टोनर का इस्तेमाल करना नहीं भूलें। एंटीऑक्सीडेंट युक्त जैसे ग्रीन टी और ग्लाकोलिक एसिड युक्त अल्कोहल-फ्री टोनर का इस्तेमाल करें, जो डेड स्किन हटाने के दौरान गर्मियों में पसीना निकलने के कारण आपके फैले रोमछिद्रों में कसाव लाकर सिकोड़ता है और दाग-धब्बों व मुंहासों को नियंत्रित करता है।

➤➤➤ त्वचा की रंग के हिसाब से सही सनस्क्रीन का इस्तेमाल बेहद जरूरी है। एसपीएफ-30 से कम वाले सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल नहीं करें। शरीर के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन लगाएं।

➤➤➤ तैराकी करने या तौलिए से शरीर को पोंछने के बाद फिर से सनस्क्रीन लगाना नहीं भूलें। ज्यादा सुरक्षा के लिए हर दो-तीन घंटे पर सनस्क्रीन लगाएं।

➤➤➤ उमसभरे मौसम में त्वचा से अतिरिक्त तेल निकालने के लिए सप्ताह में एक बार क्ले मास्क का इस्तेमाल करें। टी ट्री या ग्रीन ट्री सत्व वाले मास्क का इस्तेमाल करने की कोशिश करें, जो मृत त्वचा को हटाकर और रोम छिद्रों से अशुद्धिया निकालकर मुंहासों को दूर रखेगा।

➤➤➤ गर्मियों में तेज धूप और प्रदूषण से आपकी त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल जाती है, जिसके चलते टैनिंग हो जाती है और झुर्रियां आदि पड़ जाती हैं और समय से पहले बढ़ती उम्र के लक्षण नजर आने लगते हैं, इसलिए कम से कम एसपीएफ -30 वाला हल्का नॉन ग्रीजी डे क्रीम लगाएं।

➤➤➤ चेहरे के संवेदनशील हिस्सों जैसे आंखों और होंठों की जगह की त्वचा अन्य जगहों की त्वचा के मुकाबले ज्यादा पतली व संवेदनशील होती है, इसलिए इन्हें गर्मियों में अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। तेज धूप से आंखों के नीचे झुर्रियां पड़ सकती हैं, ये बर्न हो सकते हैं, जबकि होंठ फट सकते हैं। आंखों पर नियमित रूप से पानी के छीटें मारें और होंठों पर लिप बाम लगाएं.।

➤➤➤ बारिश के मौसम में पेराबेंस, मिनरल ऑयल या पैराफिन फ्री वाटरप्रूफ काजल लगाएं।रात में सोने से पहले सारा मेकअप हटा लें और आंखों को आराम देने के लिए गुलाब जल में भिगोए रूई के फाहे को आंखों पर रखें।

➤➤➤ प्रतिरोधक क्षमता के लिए आहार में विटामिन सी को शामिल करें क्योंकि यह इंफेक्शन से मुकाबला करने में प्रभावी होता है।

➤➤➤ इंफेक्शन से बचने के लिए साफ त्वचा पर एंटीफंगल पाउडर लगाएं।

मोटापा करे कम और सांसों की बदबू को भगाए दूर, जानिए नारियल तेल के कमाल के फायदे

नारियल तेल के ब्यूटी से जुड़े कई फायदे हैं। बालों, चेहरे और स्किन को यह कई तरीकों के पोषण देकर उन्हें हेल्दी और खूबसूरत बनाता है। इसी गुण की वजह से इस तेल को सदियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। यहां 'बिड़ला आयुर्वेद' की आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉक्टर प्रियंका संपत से जानिए नारियल तेल के ये फायदों के बारे में।

➤➤➤ नारियल तेल त्वचा के लिए नेचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह डेड सेल्स को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डमेर्टाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।

➤➤➤ नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबित होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

➤➤➤नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है।स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।

➤➤➤आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है।यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।

इसी के साथ 'हिंदूजा हेल्थकेयर सर्जिकल' में टीम लीडर डायटीशियन इंद्रायनी पवार से भी जानिए नारियल तेल के कमाल के फायदों के बारे में.

➤➤➤नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है।ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है।मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सिडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है.

➤➤➤नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्त्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

➤➤➤खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है ।

चेहरे पर चमक लाएंगे ये घरेलू फेस पैक

गर्मियां आते ही त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं। इसकी वजह है इस मौसम में बढ़ने वाली शुष्कता और बेहद पसीना और इसी के चलते त्वचा में नमी की कमी होना। ऐसे में चेहरे को चमकदार बनाए रखने के लिए त्वचा में नमी बनाए रखना और उसका पोषण बेहद जरूरी है। घर पर बने खीरे का पैक, टमाटर का रस, हल्दी, बेसन, दही और नींबू के रस से बना फेसपैक आपकी त्वचा में निखार और चमक बनाए रखने के लिए सबसे उपयुक्त है।हम आपको बताते हैं आसानी से बन सकते वाले घरेलू पैक के बारे में, जो चेहरे की सफाई, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग में करेंगे आपकी

मदद - त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाए रखने का यह सही समय है, क्योंकि तेज धूप से टैनिंग, दाग-धब्बे पड़ने और झुर्रियां पड़ने जैसी समस्या हो सकती है। तरबूज फेशियल, खीरा फेशियल, स्ट्रॉबेरी फेशियल और आलू का इस्तेमाल कर फेशियल किया जा सकता है। ये चीजें आपके चेहरे को ताजगी का अहसास देगी। इससे गर्मी के मौसम त्वचा को ठंडक महसूस होगा।

टमाटर का गूदा और रस त्वचा पर से टैनिंग हटाने में काफी मददगार होता है। यह त्वचा को कोमल, चमकदार बनाने के साथ ही रंग साफ भी करता है।इसे बालों पर भी लगाया जा सकता है, जिससे बालों में चमक आती है और तेज धूप में सुरक्षा प्रदान करता है।

नींबू पैक - एक नींबू को दो हिस्सों में काट लें। आधे हिस्से को सीधे त्वचा पर गोल-गोल घुमाते हुए मलें। ऐसा कम से कम पांच मिनट करें, उसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो त्वचा का रंग हल्का करता है। उन्होंने हल्दी और दही का पेस्ट इस्तेमाल करने का सुझाव भी दिया। उनका मानना है कि ग्रीन टी का सेवन भी शरीर के लिए काफी फायदेमंद है।

ग्रीन टी बैग - गर्म पानी में ग्रीन टी बैग डालकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और फिर टी बैग को हटा दें और अब इस गर्म हर्बल टी को पीएं। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर से हानिकारक पदार्थों को निकालकर इसे पोषण देता है। महिलाएं त्वचा में निखार लाने के लिए खीरा, बादाम और शहद से बना पैक भी लगा सकती हैं।

खीरे का फेस पैक - पहले मिक्सर के इस्तेमाल से खीरे का रस निकाल लें, अब इसमें गुलाब जल और ग्लिसरीन समान मात्रा में मिलाएं।पेस्ट को न ज्यादा पतला बनाएं न ज्यादा गाढ़ा बनाएं और अब इसे रात में सोने जाने से पहले लगा लीजिए।सुबह में चेहरे को साफ पानी से धुल ले और थपथपाकर सुखा लें। कुछ दिनों में आपको अपने चेहरे के रंग में काफी बदलाव नजर आएगा।

खास पैक - एक चुटकी हल्दी, एक चोटा चम्मच दूध पाउडर, दो छोटा चम्मच शहद और आधे नींबू का रस मिलाकर फेसपैक बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने के बाद धो लें। जीरा भी आपके चेहरे की त्वचा के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

काले और सफेद जीरे को समान मात्रा में पीस लें और उसमें दूध या क्रीम मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगा लें और 20 मिनट बाद धो लें। इसका ज्यादा असर देखना हो तो इस मास्क को हफ्ते में कम से कम दो बार चेहरे पर लगाएं।

गुलाब जल चेहरे की त्वचा को ताजगी देता है। एलोवेरा, खीरा और चंदन से बना फेसपैक टैनिंग को दूर करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रिचा चड्ढा और अली फजल ने की अपने प्रोडेक्शन हाउस की पहली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की घोषणा

बॉलीवुड एक्टर रिचा चड्ढा और अली फ्जल एक कपल के रूप में अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। अब दोनों ने अपने प्रोडक्शन हाउस 'पुशिंग बटंस स्टूडियों' की पहली फिल्म बनाने की घोषणा कर दी है। रिचा चड्ढा और अली फ्जल अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' नामक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसमें भारत में मौजूद महिलाओं की जेंडर संबंधित समस्याओं को दिखाया जाएगा। इन दोनों कलाकारों को इससे पहले 'फुकरे' की सीरीज में साथ देखा गया था। अब वह अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी 'पुशिंग बटन्स स्टूडियो' के बैनर तले अपने इस प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। इस फिल्म का स्क्रिप्ट शुचि तलाटी ने लिखी है। इसके अलावा वह इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म हिमालय के छोटे से पहाड़ी शहर पर स्थित बोर्डिंग स्कूल पर आधारित होगी, जिसमें 16 वर्षीय मीरा की कहानी को फिल्माया जाएगा। फिल्म में यह दिखाया जाएगा कि मीरा की मां कैसे उसे कभी बालिग होने का एहसास होने नहीं देती हैं। स्क्रिप्ट ऐसी लिखी गई है, जिसमें मां और बेटी को साथ बड़ा होते हुए दिखाया गया है। रिश्तों में प्यार फिल्म का केंद्रीय बिंदु होगा।

235 करोड़ में बिकी सलमान खान की फिल्म 'राधे' की सारे राइट्स

बॉलीवुड के 'दबंग' सुपरस्टार सलमान खान स्टारर राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई के सारे राइट्स 235 करोड़ रुपए में सेल कर दिए गए हैं। इसमें डिस्ट्रीब्यूशन, वीडियो स्ट्रीमिंग और म्यूजिक राइट्स भी शामिल हैं। खबर है कि इन अधिकारों के लिए जी स्टूडियो ने 235 करोड़ का भुगतान किया है। ईद के अवसर पर यह फिल्म इसी साल 14 मई को रिलीज होने जा रही है। फैंस और एग्जिबिटर्स को उम्मीद लगाए बैठे हैं कि लॉकडाउन के बाद सलमान खान इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में कामयाब हो जाएंगे। अभी तक की खबर के अनुसार, यह फिल्म पहले सिनेमाघरों में रिलीज होगी और उसके बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर इसका प्रीमियर किया जाएगा। यह फिल्म 2020 में ईद के अवसर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए इसके नए पोस्टर जारी किए जाएंगे। सलमान इस फिल्म के साथ ईद पर रिलीज करने की परंपरा को बनाए रखना चाहते हैं। फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने रिक्वेस्ट की है कि, सलमान इस मूवी को रिलीज कर फिल्मों के बिजनेस को पटरी पर लाने में मदद करें। सलमान ने डिस्ट्रीब्यूटर्स की इस मांग को अपनी रजामंदी दे दी है।